

अमेरिका और यूरोपीय संघ व्यापार तनाव को कम करने के लिये सहमत हुए

चर्चा में क्यों?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय आयोग के प्रमुख जीन-क्लाउड जुनेकर ने हाल ही में इन दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच गहराते व्यापार विवाद को कम करने की योजना पर सहमत व्यक्त की।

प्रमुख बिंदु

- ट्रंप ने वादा किया कि अमेरिका यूरोपीय कारों के आयात पर टैरिफ नहीं लगाएगा, यूएस ने आयातित एल्युमीनियम और स्टील पर अतिरिक्त कर लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद यूरोप में भेजे जाने वाले कुछ अमेरिकी सामानों पर लगाए गए करों के बदले में प्रतिशोधोदात्तक कार्रवाई करने की धमकी दी थी।
- दोनों देश वाशिंगटन द्वारा स्टील और एल्युमीनियम पर लगाए गए मौजूदा करों की समस्या "हल" करने के लिये काम करेंगे, जसिने यूरोपीय संघ समेत प्रमुख सहयोगियों को नाराज़ कर दिया था।

संबंधों को सुदृढ़ करना

- दोनों देशों द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि बैठक का परिणाम "संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच संबंधों में एक नए चरण का शुभारंभ" है।
- दोनों नेताओं ने रश्ति में "एक नया चरण शुरू करने" पर सहमत व्यक्त की, साथ ही "शून्य टैरिफ, शून्य गैर-टैरिफ बाधाओं और वाहनों के अतिरिक्त अन्य औद्योगिक वस्तुओं पर शून्य सब्सिडी को लेकर एक साथ काम करने पर भी सहमत हुए।
- इसके अतिरिक्त यूरोपीय संघ ने अमेरिकी सोयाबीन व प्राकृतिक गैस खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है।
- दोनों पक्षों द्वारा शुल्क नहीं लगाया जाएगा व इस्पात एवं एल्युमीनियम पर मौजूदा शुल्क का पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। जर्मनी के वित्त मंत्री पीटर अल्टमायर ने कहा कि "जुनेकर व ट्रंप को बधाई, यह वार्ता व्यापार युद्ध को टाल सकती है और लाखों नौकरियाँ बचा सकती है।"

डब्ल्यूटीओ में सुधार के प्रयास

- ट्रंप ने विश्व व्यापार संगठन में सुधार के लिये मलिकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई ताकि यू.एस. प्रौद्योगिकी की चोरी, राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के कार्य व्यवहार और इस्पात में अत्यधिक क्षमता को लेकर चीन की कुछ शिकायतों का हल किया जा सके।
- चीन लंबे समय से शिकायत कर रहा है कि डब्ल्यूटीओ संयुक्त राज्य अमेरिका के लिये अनुचित है, इस तथ्य के बावजूद कि अमेरिका ने चीन और अन्य के खिलाफ अधिकांश विवादों को हल करने में सफलता पाई है। यू.एस. और यूरोपीय संघ ट्रांस-एटलान्टिक व्यापार में करीब 1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देते हैं।
- यूरोपीय संघ पहले ही यू.एस. उत्पादकों से 35% प्राकृतिक गैस आयात करता है, लेकिन अब और अधिक आयात किये जाने पर काम करेगा। यूरोपीय संघ प्रतिस्पर्धी मूल्य तथा अनुकूल परिस्थितियों में बुनियादी ढाँचे और नए ट्रमिनिलों में निवेश करने के लिये तैयार है जो संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों से ऊर्जा के आयात का स्वागत कर सकता है।